

सप्तविंश वि. (तत्.) क्रम से संख्या में सत्ताइसवाँ।

सप्तविंशति वि. (तत्.) सत्ताइस की एक संख्या।

सप्तविध वि. (तत्.) सात तरह का जैसे- सप्तविध उपाय।

सप्तशती स्त्री. (तत्.) वह ग्रंथ जिसमें सात सौ पद्यों का संग्रह हो जैसे- दुर्गा सप्तशती, गाथा-सप्तशती आदि।

सप्तशीर्ष पुं. (तत्.) विष्णु का एक नाम।

सप्तषष्ठि वि. (तत्.) क्रमसंख्या में सड़सठवाँ।

सप्तषष्ठि वि. (तत्.) सड़सठ।

सप्त सप्त वि. (तत्.) सतहत्तरवाँ।

सप्तसप्रति वि. (तत्.) सतहत्तर, सतत्तर।

सप्तसागर पुं. (तत्.) 1. पृथ्वी पर के सात समुद्रों का समूह 2. एक प्रकार का दान जो सात पात्रों में घी, दही, दूध, मधु आदि भरकर किसी ब्राह्मण को दिया जाता है।

सप्तसिंधु पुं. (तत्.) प्राचीन आर्यावर्त की प्रसिद्ध सात प्रमुख नदियाँ सिंधु, सरस्वती, सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम अथवा सिंधु, रावी, सतलुज, झेलम सरस्वती, यमुना, गंगा।

सप्तस्वर पुं. (तत्.) संगीत के सातों स्वरों का समूह जैसे- सा रे ग म प ध नि (सरगम) स्वरसप्तक : षड्ज, ऋषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद।

सप्तस्वरा स्त्री. (तत्.) पुराने चाल की एक प्रकार की वीणा।

सप्तांग वि. (तत्.) 1. सात अंगों वाला, सात अंग पुं. राज. राज्य की सात प्रकृति, राज्य के सात संघटक जैसे- 1. स्वामी 2. अमात्य 3. सुहृत् 4. कोश 5. राष्ट्र 6. दुर्ग 7. बल (सेना)।

सप्तांशु पुं. (तत्.) 1. सूर्या। 2. अग्नि वि. सात प्रकार की किरणों वाला।

सप्तात्मा पुं. (तत्.) ब्रह्म, ब्रह्म का एक विशेषण।

सप्तार्णव पुं. (तत्.) पृथ्वी पर के सात समुद्र, सप्तसागर जैसे- लवण सागर, इक्षु सागर,

दधिसागर, घृतसागर, सुरासागर, क्षीर सागर, जलसागर।

सप्तार्णवा वि. (तत्.) जलसागर, सात समुद्रों वाली, सात समुद्रों से घिरी हुई, पृथ्वी।

सप्तालु पुं. (तत्.) सतालू, शफातालू, आड़ू नामक पेड़ या उसका फल।

सप्ताशीति वि. (तत्.) सत्तासी 'स्त्री' सत्तसी की सूचक संख्या जो 87 के रूप में लिखी जाती है।

सप्ताश्व पुं. (तत्.) 1. सात घोड़े 2. सूर्य टि. सात घोड़ों वाला।

सप्ताश्वाहन पुं. (तत्.) सूर्य टि. सूर्य रथ के सात घोड़े जो सात रंग की किरणों के प्रतीक होते हैं।

सप्ताह पुं. (तत्.) 1. सात दिन, हफ्ता, 2. सात दिनों की अवधि, 3. सात दिनों का समय-विशेषतः सोमवार से रविवार तक, 4. निरंतर सात दिनों तक चलने वाला, 5. प्रति सप्ताह में एक बार होने वाला 'साप्ताहिक'।

सप्ताहान्त पुं. (तत्.) 1. सप्ताह का अंत, सप्ताह का अंतिम दिन, शनिवार व रविवार या रविवार 2. शुक्रवार की आधी रात से रविवार की सुबह तक का समय।

सप्ती वि. (तत्.) सत्तर, जो सत्तर की संख्या हो।

सप्रच्छ पुं. (तत्.) 'विशालत्वक्' नामक वृक्ष, सप्तवर्ण वृक्ष, छतिवन।

सप्रभद्र पुं. (तत्.) 1. शिरीष का पेड़, 2. नवमल्लिका, नेवारी 3. कंधनी, गुंजा।

सप्रमाण वि. (तत्.) प्रमाण के सहित क्रि.वि. प्रमाण या सबूत के साथ।

सप्रयास क्रि.वि. (तत्.) प्रयासपूर्वक, प्रयास करते हुए, प्रयत्नपूर्वक।

सप्राण वि. (तत्.) 1. प्राण युक्त 2. ओजस्वी पुं. प्राणवान्।

सप्रार्चि वि. (तत्.) 1. सात जिह्वा या लौ वाला 2. अशुभ दृष्टि वाला 3. चीता नामक वृक्ष 4. अग्नि।